# *Haryana Civil Service (Judicial)*

## *Examination 2010*

---

## *Hindi Paper*

Time : 3 Hours | Maximum Marks : 100

नोट :- सभी प्रश्न अनिवार्य है । सभी प्रश्नों का उत्तर उसी क्रम में दें जिस क्रम में प्रश्नपत्र में दिए गए हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए - 20

The mystery of Napoleon's career was this, that under all difficulties and discouragements, he pressed on. It solves the problem of all heroes; it is the rule by which to weigh rightly all wonderful successes and triumphal marches to fortune and genius. It should be the motto of all, old and young, high and low, fortunate and unfortunate so called. Never despair; never be discouraged, however stormy the heavens, however dark the way; however great the difficulties and repeated the failures. "Press on"! If fortune has played false with you today, do you pray true to yourself tomorrow? If your riches have taken wings and left you, do not weep your life away but be up and doing and retrieve the loss by new energy and new action. If an unfortunate bargain has deranged your business, don't fold your arms, and give up all as lost; stir yourself and work all the more vigorously. If those whom you have trusted have betrayed you, do not be discouraged, do not idly weep, but "press on"! Find others or what is better, learn to live within yourself. Let the foolishness of yesterday make you wise today.

Scanned by CamScanner

2. (अ) निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :-

लोभ चाहे जिस वस्तु का हो, जब बहुत बढ़ जाता है तब उस वस्तु की प्राप्ति, सान्निध्य या उपभोग से जी नहीं भरता । मनुष्य चाहता है कि वह बार-बार मिले या बराबर मिलता रहे। धन का लोभ जब रोग होकर चित्त में घर कर लेता है तब प्राप्ति होने पर भी, और प्राप्ति की इच्छा बराबर जगी रहती है जिससे मनुष्य सदा आतुर और प्राप्त के आनंद से विमुख रहता है । जितना है उतने से प्रसन्न होने का उसे कभी अवसर ही नहीं मिलता । उसका सारा अन्त:करण सदा अभावमय रहता है । उसके लिए जो है वह भी नहीं है । असन्तोष अभाव-कल्पना से उत्पन्न दु:ख है, अत: जिस किसी में यह अभाव-कल्पना स्वाभाविक हो जाती है, सुख से उसका नाता जब दिनों के लिए टूट जाता है । न किसी को देख कर वह प्रसन्न होता है और न उसे देख कर कोई प्रसन्न होता है। 15

(ब) निम्नलिखित पद्यांशों की व्याख्या कीजिए -

(क) चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूंथा जाऊँ,

चाह नहीं प्रेमी माला में बिंध प्यारी को ललचाऊँ,

चाह नहीं सम्राटों के शव पर हे हरि डाला जाऊँ,

चाह नहीं देवों के सिर पर चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ,

मुझे तोड़ लेना बनमाली

उस पथ में देना तुम फेंक ।

मातृ-भूमि पर शीश चढ़ावे,

जिस पर जावें वीर अनेक । $7\frac{1}{2}$

(ख) ऐसो को उदार जग माही ?

बिनु सेवा जो द्वै दीन पर, राम-सरिस को नही ।।

जो गति योग विराग जतनधरि, नहीं पावत मूनि ज्ञानी ।।

सो गति देत गीध सबरी कहँ, प्रभु न बहुत जिस जानी ।।

जो संपति दससीस अरपि करि, रावण सिब पछुँ लीन्हीं ।।

सो संपदा विभीषण कहँ अति, सकुच सहित हरि दीन्हीं ।।

तुलसीदान सब भाँती सकल सुख जो चाहसि मन मेरो ।।

तौ भजु राम काम सब पूरन, करें कृपानिधि तेरो ।। $7\frac{1}{2}$

3. (अ) निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए -

दारिद्रता, उदयान, अशीर्वाद, बुद्धी, कवियत्री,

प्रमात्मा, शरीरिक, उजजवल, अभिशेक, शुन्य 5

(ब) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए -

(क) अगले सोमवार मेरे दिली जाना है ।

Scanned by CamScanner

(ख) नोकर आटा पिस्वा लाया ।

(ग) वह रोता रोता हस्ने लगा ।

(घ) महादेवी बरमा बहुत प्रसिदध कवी थी ।

(ड.) मैं यह सवीकरित करता हूँ कि मुझसे गलती हुई । 5

4. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

(क) अपना उल्लू सीधा करना ।

(ख) गहरा हाथ मरना ।

(ग) बछिया का ताऊ ।

(घ) मन के लड्डू फोड़ना ।

(ड.) आटे दाल का भाव मालूम होना ।

(च) आकाश पाताल एक करना ।

(छ) अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना ।

(ज) अगर मगर करना ।

(झ) आँखे खुलना ।

(ट) नाच ना जाने आंगन टेढ़ा । 10

5. निम्नलिखित विषयों पर किसी एक पर निबंध लिखिए :-

(क) दहेज-प्रथा : एक गंभीर समस्या ।

(ख) सांप्रदायिकता : एक अभिशाप ।

(ग) आंतकवाद : विश्वव्यापी समस्या ।

(घ) वन और हमारा पर्यावरण ।

(ड.) बेरोज़गारी : समस्या और समाधान । 30

Scanned by CamScanner